

HEAT FLOW
Since 1978

Heat Exchanger for Rice Mills

BEST QUALITY
BETTER PERFORMANCE
FASTEST DELIVERY

RIPPEN RADIATORS & HEAT EXCHANGERS PVT. LTD.
Office & Works: 142, Mahatma Road, Indraprastha, Delhi-110032
National Highway No. 8, Chaudhary, MORARIA, DELHI-110032
Ph: 011-26722000, 26722001 to 73 Bldg. (011) 26722000, 26722001
E-mail: heatflow2002@yahoo.com, rripennadi@gmail.com, www.ripennadi.com

व्यापार एक्सप्रेस
(हिन्दी साप्ताहिक)

Office : 2718, Street No. 5, Bihari Colony, Shahdara, Delhi-110032
Mob: +91-9312625326, 9717513928
Email: vyaparexpress50@gmail.com, vyaparexpress@gmail.com

CHIEF EDITOR : T.R. ARORA

www.vyaparexpress.co

CHENNAI CANVASSERS
— Brokers & Canvassing Agents —
All types of Basmati Rice,
Non-Basmati Rice & Grains

21, Acharyapada Street, CHENNAI-600001
Tel: 044-25218233, Telefax: 25271296
Mob: 9382663226, 9962841145
Email: chennicanvassers1@yahoo.com

SELLING AGENTS FOR:
Mubarak

All kinds of
1121 Steam
Basmati Rice

वर्ष 42 अंक 08 • 21 फरवरी 2022 — 27 फरवरी 2022

प्रकाशन की तिथि हर सोमवार

वार्षिक मूल्य सप्ताहिक सहित 1100/- पृष्ठ-4

मिर्च और कपास की कीमतों में बढ़ोतरी से फायदा ले रहे किसान

सूखी मिर्च और कपास की कीमतों में काफी तेजी देखी जा रही है। बड़े हुए दाम का लाभ किसानों को मिल रहा है। इस बार कीटों के हमले से कपास और सूखी मिर्च की फसल काफी प्रभावित हुई थी, जिससे उत्पादन कम हुआ है। सीमित मात्रा में बाजार में आवक के कारण इन दोनों फसलों की कीमत बढ़ गई है। हालांकि इसका लाभ किसानों को मिल रहा है, जिनकी पैदावार प्रभावित हुई है। कम उत्पादन के कारण ही व्यापारी ऊंची दरों पर खरीद कर इसे रफ्तार कर रहे हैं। व्यापारियों को स्थानीय और विदेशी बाजारों में मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद है। इसी वजह से मंडी में आ रही पैदावार को किसी भी भाव पर खरीद ले रहे हैं, उन्हें आगे इससे मुनाफा कमाने की संभावना है।

कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि, सूखी मिर्च की चर्चित किमती की कीमत 10 से 12 हजार रुपए प्रति क्विंटल थी। लेकिन इस बार रेट 20 हजार के ऊपर जा पहुंचा है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों में सूखी मिर्च की सबसे अधिक खेती होती है। उत्पादन के मामले में भी ये दोनों राज्य काफी आगे हैं। अनुमान के मुताबिक, आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले का पूरा राज्य के उत्पादन का 30 से 40 प्रतिशत हिस्सा रहता है। लेकिन इस बार श्विप कीट के हमले के कारण उत्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

सूत्रों के अनुसार, बड़ी हुई कीमतों से किसान पैदावार में आस गिरावट की भरपाई कर सकेगी या नहीं, यह तो कुछ दिन बाद पता चलेगा। लेकिन दाम बढ़ने से उन्हें कुछ राहत जरूर मिली है। अब घरेलू मांग भी बढ़ रही है और उत्पादन में कमी आई है। इस वजह से दाम में तेजी देखने को मिल रही है। श्विप कीट के हमले के बाद किसी भी राज्य में सूखी मिर्च के अनुमानित उत्पादन का आंकड़ा नहीं दिया है। ऐसे में व्यापारी अंदाज नहीं लगा पा रहे हैं कि कितनी पैदावार बाजार में आएगी। उच्च दाम पर खरीद का यह भी एक कारण है। वहीं कोरोना के कारण लगाई गई प्यादिलों के हटने के बाद ट्रांसपोर्टेशन में आने वाली दिक्कतों भी खल हो गई हैं, जिससे अन्य राज्यों में आपूर्ति सुगम हो गई है। मिर्च का निर्यात करने वालों का कहना है कि इस बार जिस तरह से भाव बढ़े हैं, उससे साफ पता चल रहा है कि अगर फसल पर कीट का हमला नहीं हुआ होता तो किसानों को काफी फायदा होता।

चावल निर्यात में भारत के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा खड़ी कर सकता है थाईलैंड

थाईलैंड इस साल वैश्विक चावल बाजार में भारत के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा खड़ी कर सकता है। चावल के व्यापार के पारबोल्ड सेगमेंट में यह भारत का एकमात्र प्रतिस्पर्धी है। वर्ष 2019 और 2020 में कम उत्पादन की वजह से थाईलैंड इस प्रतिस्पर्धा से बाहर था। अमरीकी कृषि विभाग (यूएसडीए) के मुताबिक, वर्ष 2021-22 सीजन के दौरान थाईलैंड का चावल उत्पादन 208 लाख टन होने का अनुमान है। यह उत्पादन वर्ष 2020-21 में 188 लाख टन और 2019-20 में 176.5 लाख टन था। पानी की बेहतर उपलब्धता से उत्पादन में सुधार की उम्मीद है, जबकि 2019 और 2020 के दौरान यह अहम मुद्दा था।

उत्पादन में वृद्धि के परिणामस्वरूप, थाईलैंड का चावल निर्यात इस साल 31 प्रतिशत बढ़कर 80 लाख टन होने की संभावना है, जो पिछले साल 61 लाख टन था। मुख्य रूप से कमजोर थाई भात (थाईलैंड की करंसी) को देखते हुए अधिक निर्यात का अनुमान लगाया गया है। ओलम एग्री इंडिया लिमिटेड के उपाध्यक्ष का कहना है कि थाईलैंड में उबले हुए चावल की कीमतें



भारतीय कीमतों से मेल खाने के लिए घट गई हैं। वे 188 लाख टन और 2019-20 में 176.5 लाख टन था। पानी की बेहतर उपलब्धता से उत्पादन में सुधार की उम्मीद है, जबकि 2019 और 2020 के दौरान यह अहम मुद्दा था।

थाईलैंड का निर्यात पिछले साल के 60-65 लाख टन से बढ़कर 80 लाख टन होने की उम्मीद है। सूत्रों के अनुसार, कुछ खरीदारों को थाई चावल खरीदना बेहतर लगता है क्योंकि इसकी गुणवत्ता भारतीय किस्म से बेहतर होती है। इसलिए निर्यात की मात्रा बढ़ने की संभावना है। उबले हुए चावल के लिए ऊंची घरेलू कीमत और परिवहन की समस्याओं

ने भारतीय पारबोल्ड चावल के निर्यात पर अनिश्चितता पैदा कर दी है। यूएसडीए के ब्रैकॉक एफएएस पोस्ट में कहा गया है कि थाई पारबोल्ड चावल भारतीय पारबोल्ड चावल के साथ अधिक प्रतिस्पर्धी था और पिछले साल लगभग 44 प्रतिशत निर्यात मुख्य रूप से दक्षिण अफ्रीका, बैनिन, कैमरून और अंगोला गया। इसमें से 70 फीसदी उबले हुए चावल थे। छत्तीसगढ़ से आंध्र प्रदेश के काकीनाडा बंदरगाहों तक उबले चावल की आवाजाही रेल रैक की कमी के कारण प्रभावित हुई थी, हालांकि स्थिति में सुधार होना शुरू हो गया है।

दूसरी ओर केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ में लगभग 20 रुपए प्रति किलो पर उबला

हुआ चावल खरीद रही है और इसे व्यापारियों को 24 रुपए में दे रही है, जिससे निर्यातकों के लिए चीजें मुश्किल हो रही हैं। यूएसडीए ब्रैकॉक एफएएस पोस्ट के मुताबिक थाईलैंड के सफेद और उबले हुए चावल की मजबूत मांग होगी क्योंकि व्यापारियों का अनुमान है कि थाई चावल निर्यात की कीमतें वियतनामी और भारतीय चावल की तुलना में अधिक आकर्षक बनी रहेंगी। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना मार्च में मदद की, जो हमारे अनुसूचित को देखने के लिए सहमत हो गया है। फिलीपींस को निर्यात करने में समस्या यह है कि फिलिपीनो नरम चावल पसंद करते हैं जो वियतनाम आपूर्ति करता है, जबकि भारतीय किस्म कड़क है।

एक्सपोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष का कहना है कि, भारत वैश्विक चावल बाजार में थाईलैंड को टक्कर देने में सक्षम होगा। थाईलैंड के लिए समस्या यह है कि उसके पास चावल की शिपिंग करने वाले कुछ ही निर्यातक हैं, जबकि भारत में कई हैं। इसके अलावा, भारत में कई बंदरगाहों से चावल का निर्यात किया जाता है। सूत्रों के अनुसार, भारत अफ्रीकी गंतव्यों के निकट होने के कारण लॉजिस्टिक लाभ की स्थिति में है। लेकिन देश में निर्यातकों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है।

भारतीय निर्यातक एक-दूसरे को मात देने की कोशिश में लगे हैं। फिलीपींस और मलेशिया जैसे देशों को छोड़कर भारतीय चावल अब लगभग सभी देशों में व्यापक रूप से स्वीकार किए जाते हैं। हाल ही में वाणिज्य मंत्रालय ने फिलीपींस के राजदूत के साथ एक खरीदार-विक्रेता बैठक आयोजित करने में मदद की, जो हमारे अनुसूचित को देखने के लिए सहमत हो गया है। फिलीपींस को निर्यात करने में समस्या यह है कि फिलिपीनो नरम चावल पसंद करते हैं जो वियतनाम आपूर्ति करता है, जबकि भारतीय किस्म कड़क है।

गेहूं का उत्पादन 11.13 करोड़ टन रहने का अनुमान

सॉल्वेंट एक्सट्रैक्शन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के मुताबिक, देश का सोयाबीन (डीओसी) निर्यात जनवरी में सालाना आधार पर 65 प्रतिशत घटकर 1.76 लाख टन रहा। मुख्य रूप से सोयाबीन और स्प्रीड मील के निर्यात में गिरावट से डीओसी की बाहर भेजी जाने वाली खेप में कमी आई है। जनवरी, 2021 में भारत का सोयाबीन निर्यात 5.01 लाख टन रहा था। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह अप्रैल-जनवरी के दौरान सोयाबीन निर्यात 35 प्रतिशत घटकर 19.43 लाख टन रह गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 29.69 लाख टन रहा था।

सोयाबीन का इस्तेमाल पॉन्ट्री और अन्य क्षेत्रों में पशुचारे के रूप में होता है। एसईए द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी में सोयाबीन एक्सट्रैक्शन का निर्यात भारी गिरावट के साथ 52,771 टन रह गया, जो एक साल पहले समान महीने में 2.83 लाख टन रहा था। इसी तरह जनवरी में रैपसीड एक्सट्रैक्शन का निर्यात घटकर 16,164 टन पर आ गया, जो एक साल पहले समान महीने में 74,240 टन था।

भारत से चीनी का निर्यात हुआ तीन गुना, उत्पादन में भी बढ़ोतरी

भारतीय चीनी मिल संघ के मुताबिक, देश का चीनी उत्पादन 2021-22 के मार्केटिंग ईयर में 15 फरवरी तक 6 प्रतिशत बढ़कर 220.91 लाख टन पर पहुंच गया है। इससे पिछले साल की समान अवधि में चीनी उत्पादन 209.11 लाख टन रहा था। चीनी मार्केटिंग ईयर अक्टूबर से सितंबर तक होता है। इसमें ने कहा कि, चीनी निर्यात जनवरी तक तीन गुना होकर 31.5 लाख टन पर पहुंच गया है। संगठन का कहना है कि, इस अवधि में मध्यराष्ट्र में चीनी उत्पादन बढ़कर 86.15 लाख टन हो गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 75.46 लाख टन था। वहीं उत्तर प्रदेश में चीनी उत्पादन 65.13 लाख

टन से घटकर 59.32 लाख टन रह गया। कर्नाटक में उत्पादन बढ़कर 44.85 लाख टन हो गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 39.07 लाख टन था।

इस्मा ने बताया कि अमी ताक करीब 50 लाख टन चीनी निर्यात के कॉन्ट्रैक्ट हुए हैं। इसमें से 31.50 लाख टन चीनी का 31 जनवरी तक निर्यात हो चुका है। एक साल पहले समान अवधि में चीनी निर्यात 9.20 लाख टन रहा था। करीब आठ लाख टन चीनी का निर्यात इस महीने होगा है। वहीं पिछले साल भारत ने रिकॉर्ड चीनी निर्यात किया था। पिछले साल 30 सितंबर को समाप्त मार्केटिंग ईयर 2020-21 में अनुमानित रूप से रिकॉर्ड 72.3 लाख

टन चीनी का निर्यात किया गया था। इसमें सबसे ज्यादा निर्यात इंडोनेशिया को किया गया था।

इंडोनेशिया को अधिकतम निर्यात 18.2 लाख टन, उसके बाद अफगानिस्तान (6.69,525 टन), यूएई (5,24,064 टन) और सोमालिया (4,11,944 टन) को निर्यात किया गया था।

भारत का चीनी उत्पादन में दूसरा स्थान भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है। सबसे ज्यादा चीनी का उत्पादन ब्राजील में होता है। इस बार भारत के पास निर्यात के लिए बेहतर अवसर है। इसका लाभ चीनी मिलों को मिलेगा। चीनी निर्यात से आए पैसे को चीनी मिलें



किसानों के बकाया भुगतान में इस्तेमाल कर सकती है। इसमें ने कहा कि एथनॉल की बात की जाए, तो फेरोलियम मार्केटिंग कंपनियों ने चौथे चक्र में 95 करोड़ लीटर मांग दी थी। इसमें से आपूर्तिकर्ता 39 करोड़ लीटर एथनॉल की पेशकश कर चुके हैं।

IND
इंडिया का स्वाद
NEED™
Basmati Rice-Pulses

IND GROUP
INDIA, INDONESIA, UAE (DUBAI & RAS AL KHAIMA), UK, UKRAINE, USA
111, 1st Floor, F-Block, Connaught Circus, NEW DELHI-110001
Ph: 011-71842830 | M: 9818468699, 9311724374, 9958195217
E: info@indgroup.in, pu@indgroup.in | W: www.indgroup.in

Required Distributors/Dealers

G.S. ENTERPRISES
Consulting Agent
Deals in : RICE, WHEAT & PULSES
Specialist in : Domestic & International Network

A-23, Shiv Kirti, Bangalore Main, JAPUR-562203
Tel: 01412843862 Mob: 0960083662, 09451363462
E-mail: gsenterprises71@gmail.com

Bühler UltraLine
High capacity, energy-efficient rice processing for the 21st Century

For a better world.

BOHLER

Duraflex
Premium Range of
Rice Rubber Rolls

Manufactured By
Alaska Poly Multymers Pvt. Ltd.
An ISO 9001:2000 Certified Company

6/73, 2nd & 3rd Floor, Industrial Area, Sector-29, Gurgaon, Haryana - 122 001 (P.F.)
Tel: +91 122 3388871 Mob: +91 98710 47960
E-mail: sales@alaskapolymer.com, alaskapolymer@gmail.com
www.alaskapolymer.com

Unity
Basmati
Presenting
Unity Basmati Rice
from the house of

Taste of Authentic Basmati in an affordable range

Aeroplane
Basmati Rice

Premium Quality
Basmati Rice

For a better world.

BOHLER

क्षेत्रीय मंडियों के बाजार भाव

कापनपुर: गेहूँ लूज
2 150 / 2 155, जसूरी
1975 / 2000, चावल मसूरी
2450 / 2550, चावल मोटा
2250 / 2400, देशी चना
5300 / 5325, चना छना
5850 / 5950, दाल चना
5900 / 6000, पिचकी
4800 / 5000, मटर दाल
7200 / 7400, अहमर मेहन
6600 / 6625, दाल अरुण
8900 / 9300, रपेशाल
8100 / 8400, जउद एकसूत्री
7250 / 7260, एफकसूत्री
6600 / 6650, राजमा चिन्ना
5900 / 13100, मूँग
9700 / 6500, मसूरी छोटा
7600 / 7750, छाट्टी
8800 / 9300, सलसलें
7300 / 7350, सिल सफेद
10000 / 10100 सोया (टीन)
2200 / 2250, तेल (टीन)
कच्ची घानी देव पेठ (टीन)

3550 / 2600, सरसो खल
3300 / 3350, पामोसिल
2150 / 2200, वनस्पती घी
(यूपी ए फर्ना आर)
1850 / 1950, मधुसूदन
देशी घी 6200 गायदेव
5950, परम प्रीतिम 6250
धानिया 9500 / 9700,
कलानिया लो कल
9700 / 9800, राजस्थान
10200 / 10400
लखनऊ: गेहूँ दड़ा
2130 / 2140, गेहूँ
2850 / 2950, शाबली
स्टवी सीला 4000 / 4050,
संकी 5050 / 5150,
लालमती 4400 / 4500,
चावल (सोन) 4200 / 4300,
दाल अरहर सवा नं.
7800 / 7900, पकड़ा
8700 / 9300 रिजेशन
6700 / 7000, चना दाल
5950 / 6100, चना देशी

घना 5950/6100, चना
 चण्डा छना 5900/6000,
 मरार विदेही 7400/7500,
 उड़द साबुत (काला)
 7200/8000, दाल उड़द
 (काली) 7900/8900, उड़द
 धोया 8000/8800, मरु
 की 7500/7700, मलका
 8500/8800, किराना: जोरा
 18400/19800 लालमिर्च
 गुंरू 17500/23000, हल्दी
 निजाम फली (50 किलो)
 5600/5700, धनिया एमपी
 10100/12200, छमरी
 इलायची (काली)
 1000/1500, बड़ इलायची
 710/740, कालीमिर्च
 (किलो) 520/580, सुपारी
 (किलो) 580/630, सोंफ
 मोटी 9400/11800, मारोल
 22500/23500, चिरंजी
 (किलो) 1125/1250,
 मखाना 475/700

मुद्रापफरनगर: चाकु
(कोल्हा) 1140 / 1270;
खतौली 3540, देवदंड 3400;
थाना मदन 3410, बुढाना
3420, शामगौली 3390, घौना
हाजिर 3750 / 3850

हापुड: अनाज-दाल
गेहूँ 2215 / 2220, चावल
परमल 2400 / 2450;
दुष्पत्तीक बसमती सोला
6100 / 6200, बासमती 5100 /
1121 स्टीम 7400 / 7500;
चाना 5200 / 5250, चानाल
5800 / 5900, काकरी ली
7000 / 8500, राजमा देशी
गिरा 11500 / 13000, दाल
अरहर 8000 / 8800, मसूर
7800 / 8000, उड़द
6500 / 6700, दाल उड़द
7500 / 8500, मूंग यूपी
6500 / 6800, मूंग दाल
8000 / 9000, गुड़-चीनी
चौनी हाजिर 3800 / 3900

जीरे की बुआई में हुई देरी
से कीमतों में तेजी की उम्मीद

चालू सीजन के दौरान प्रमुख उत्पादक राज्यों में जीरे की बुआई में हुई देरी के परिणामस्वरूप अभी तक इस परिणामकारण जिस की नई फसल की आवक काफी कमजोर बनी हुई है। माना जा रहा है कि जीरे की नई फसल की आवक का पर्याप्त दबाव होली के बाद ही बनेगा। इसे देखते हुए आगामी दिनों में जीरे में और तेजी आने की उम्मीद नजर आ रही है।

देश में गुजरात राज्य जीरे का सबसे बड़ा उत्पादक है और इस राज्य में अभी तक नए जीरे की करीब एक हजार बीरियों की नाममात्र आवक ही होने की सूचनाएं आ रही हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि गुजरात में इस बार जीरे की बुआई सामान्य की अपेक्षा करीब 20-25 दिनों की देरी से आरंभ हुई थी।

पिछले सीजन के दौरान कीमत आकर्षक न मिलने के कारण किसानों की रुचि घटने से इस बार इस राज्य में जीरे की बुआई में उल्लेखनीय गिरावट आई है। गुजरात कृषि विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के



मुताबिक, वर्तमान सीजन की 3 जनवरी की कड़ी अवधि में जीरे की बुआई 34.12 प्रतिशत या 1,59,100 हेक्टेयर पिछड़कर केवल 3,07,100 हेक्टेयर में ही हुई। एक वर्ष पूर्व की आलोच्य अवधि में जीरे की 4,66,200 हेक्टेयर में बुआई हो चुकी थी। जीरे की बुआई की यह गिरावट पूर्व में व्यक्त किए जा रहे अनुमानों के अनुरूप है। बाजारों में चल रही चर्चाओं के अनुसार आन्तर्गत पर फरवरी महीने के दूसरे पखवाड़े में बनेने वाला जीरे की आयक का दबाव इस बात होली के बाद ही बनने के आसार है।

5 गुणा तक ऊँचा हो गया है। भाड़े की दर आसमान पर होने के कारण भी अन्य प्रमुख ज़िंसों के साथ-साथ ज़ीरे की निर्यात का अभाव बना हुआ है।

आयक तुलनात्मक रूप से नीची होने और लिवाली बढ़ने से उछाड़ में जीरे की कीमत हाल ही में 100 रूपए तक हो कर फिलहाल 3775/3800 रूपए प्रति 20 किलोग्राम के रिबॉर्ड स्तर पर बनी हुई है। इससे पहले भी इसमें 100/150 रूपए की तेजी आई थी। भारत के अलावा विदेश में तुर्की और सीरिया को जीरे के अन्य उत्पादक देशों के रूप में जाना जाता है लेकिन अफगानिस्तान तथा ईरान भी चुनौती भर रहे लगे हैं। अमेसर पर तुर्की एक सीरिया में संयुक्त रूप से करीब 35 हजार टन जीरे का उत्पादन होता है और इनकी क्वालिटी भारतीय जीरे की तुलना में हल्की होती है। आगामी दिनों में जब तक पड़ने की अवधि का पथार्थ पक्क नही बनेगा तब तक इसमें रुक-रुककर तेजी आते रहने का अनुमान है।

काँटन के वैश्विक उत्पादन के अनुमान में आई कमी

अमरीकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने मार्केटिंग वर्ष 2021-22 की फरवरी महीने की रिपोर्ट में भारत और तंजानिया में उपज कम होने से पिछले महीने की तुलना में कॉटन का वैश्विक उत्पादन अनुमान घटाया है। रिपोर्ट में कॉटन की खपत अनुमान में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है लेकिन अंतिम स्टॉक में कमी की गई है। कॉटन के वैश्विक कारोबार में मामूली कमी आने का अंदेश जताया गया है। वर्ष 2021-22 के लिए कॉटन का औसत पार 90 सेरस प्रति पाउंड पर कायम रखा है।

सुरक्षाएवम् ने माहङ्गिङ्ग
वर्ष 2021-22 (अगुसुत-
जुलुस) की फरवरी 2022
महङ्गी की रिपोर्त में कौङ्ग
का वैरिङ्ग उतुपङ्गन 2.6
करोड ढन रहने का अनुगुन
आङ्क है जो पिछले महङ्गी 2.
63 करोड ढन रहुा। यह वर्ष
2020-21 में 2.43 करोड
ढन और वर्ष 2019-20 में 2.
63 करोड ढन रहुा। गौंढ में
बात की जाए यह उतुपङ्गन
नुगुनगुन वर्ष 2021-22 के
लिए 12.01 करोड ढन
आङ्क है जबकि गौंढ वर्ष
2020-21 के लिए 11.17
करोड गौंढ और वर्ष
2019-20 के लिए 12.10
करोड गौंढ थु। यह वर्ष
2021-22 में भारुत का
कौङ्गन उतुपङ्गन अनुगुन
पिछले महङ्गी के 59.87
लाख ढन से ढुकरुत 58.79
लाख ढन आङ्क है।

वर्ष 2020-21 में यह उत्पादन 60.09 लाख टन और वर्ष 2019-20 में 62.05 लाख टन था। यूएसडीए ने अपनी ताजा रिपोर्ट में भारत में कॉटन की घरेलू खपत वर्ष 2021-22 में 56.61 लाख टन कायम रखी है। यह वर्ष 2020-21 में 54.43 लाख टन और वर्ष 2019-20 में 43.55 लाख टन थी। भारत का वर्ष 2021-22 कॉटन फसल वर्ष में अंतिम स्टॉक पिछले महीने के 22.08 लाख टन से घटकर 21.42 लाख टन आंका गया है। यह स्टॉक



वर्ष 2020-21 में 29.26 लाख टन रहा, जबकि यह वर्ष 2019-20 में 35.24 लाख टन था।

भारत से वर्ष 2021-22 में कॉटन का निर्यात 12.41 लाख टन रहने की संभावना है। यह वर्ष 2020-21 में 13.48 लाख टन एवं वर्ष 2019-20 में 6.97 लाख टन था। पाकिस्तान में वर्ष 2021-22 में कॉटन का उत्पादन 12.63 लाख टन रहने का अनुमान है। यह

सत्यमेव जयते 2020-21 में 9.80 लाख टन जबकि वर्ष 2019-20 में 13.50 लाख टन रहा। पाकिस्तान को वर्ष 2021-22 में 11.97 लाख टन कॉटन आयात करने की संभावना है, जबकि वर्ष 2020-21 में यह आयात 11.59 लाख टन रहा। ब्राजील में वर्ष 2021-22 में 28.74 लाख टन कॉटन पैदा होने की आस है। ब्राजील में वर्ष 2020-21 में 23.56 लाख टन और वर्ष 2019-20 में 30 लाख टन कॉटन पैदा हुई थी। अमरीका में वर्ष 2021-22 में 38.37 लाख टन कॉटन की उज्ज होने का अनुमान है। पड़ोस में वर्ष 2020-21 में 31.81 लाख टन एवं वर्ष 2019-20 में 43.36 लाख टन रहा।

चीन में वर्ष 2021-22 में 58.79 लाख टन कॉटन पैदा होने की संभावना है। यह पैदावार वर्ष 2020-21 में 64.23 लाख टन और वर्ष 2019-20 में 59.33 लाख टन थी। टर्की में वर्ष

2021-22 में 8.27 लाख टन (वर्ष 2020-21 में 6.31 लाख टन) कॉटन पैदा होने का अनुमान है। जबकि, अन्य देशों में कॉटन का उत्पादन वर्ष 2021-22 में 44.05 लाख टन (वर्ष 2020-21 में 41.50 लाख टन) रहने का अनुमान है। वर्ष 2021-22 में ब्राजील से कॉटन निर्यात 17.85 लाख टन, अमरीका से 32.11 लाख टन रहने की संभावना है।

यह निर्यात वर्ष 2020-21 में ब्राजील से 23.98 लाख टन और अमरीका से 35.64 लाख टन रहा। चीन का कॉटन आयात आंकलन वर्ष 2021-22 के लिए 20.68 लाख टन रहने की संभावना है जो वर्ष 2020-21 के लिए 28 लाख टन और 2019-20 में 15.54 लाख टन रहा।

बांग्लादेश का आयात
मार्केटिंग वर्ष 2021-22 में
18.07 लाख टन और वर्ष
2020-21 में 19.05 लाख
टन और विगतनाम का
आयात वर्ष 2021-22 में 16.
33 लाख टन और वर्ष
2020-21 में 15.92 लाख
टन अनुमान है। पाकिस्तान
वर्ष 2021-22 में 11.97
लाख टन एवं वर्ष 2020-21
में 11.59 लाख टन,
इंडोनेशिया वर्ष 2021-22 में
5.44 लाख टन और वर्ष
2020-21 में 5.02 लाख टन
कोटन आयात कर सकता
है। चीन का अंतिम स्टॉक
वर्ष 2021-22 में 78.76

लाख टन रहने का अनुमान है। यह स्टॉक वर्ष 2020-21 में 85.46 लाख टन और वर्ष 2019-20 में 80.34 लाख टन था। वर्ष 2021-22 में ब्राजील में 28.18 लाख टन कॉटन का अंतिम स्टॉक रह सकता है। यह वर्ष 2020-21 में 24.21 लाख टन और वर्ष 2019-20 में 31.36 लाख टन रहा।

अफ्रीका में वर्ष 2021-22 में 7.62 लाख टन कॉफ़ी का अग्रिम स्टॉक रहने का अनुमान है जबकि और वर्ष 2020-21 में 6.86 लाख टन और वर्ष 2019-20 में यह 15.79 लाख टन रहा। समूची दुनिया का फसल वर्ष 2021-22 के लिए अग्रिम स्टॉक 183.55 लाख टन रह सकता है जो वर्ष 2020-21 में 193.03 लाख टन और वर्ष 2019-20 में 212.21 लाख टन था। दुनिया भर में वर्ष 2021-22 में 322.8 लाख हैक्टेयर में कपास की खेती होने का अनुमान है। यह खेती 2020-21 में 311.1 लाख हैक्टेयर और 2019-20 में 344.8 लाख हैक्टेयर में हुई।

भारत में कपास का बोआई अनुमान वर्ष 2021-22 के लिए 124 लाख हैक्टेयर में होने का अनुमान है। जबकि, वर्ष 2020-21 में 130 लाख हैक्टेयर में बोआई हुई। यह खेती वर्ष 2019-20 में 134 लाख हैक्टेयर थी।

On the Way
Half Century



**व्यापार
एक्सप्रेस**

में
विज्ञापन
देकर
लाभ
उठाए



9312625326
vyaparexpress50@gmail.com
www.vyaparexpress.co

10th Edition

GrainExTM
INDIA
BRIDGING THE GAP

India's Premier Technology Oriented
Exhibition & Conference on Grain Milling Industry







Media Partner :



24-25-26 MARCH 2022

Labh Ganga Convention Center,
Indore, Madhya Pradesh
INDIA

Last Expo Statistics:	146+ Exhibitors	50K+ Sq Ft. Area	5670+ Visitors	08 Countries
-----------------------	---------------------------	----------------------------	--------------------------	------------------------

Expand
YOUR
BUSINESS

Explore
YOUR
MARKET

Ensure
YOUR
FUTURE

**An Exposition to
Expand, Explore & Ensure**



Adamas



GrainEx India

+91-86074-63222

chandan@grainexindia.com

www.grainexindia.com



TRIMURTI

OVERSEAS LIMITED

SINCE 1980

**Importer, Exporter, Indentor &
Business Consultant**

**Basmati & Non-Basmati Rice, Pulses,
Beans & Grocery Items Spices & Grains**

H.O. SCO-7, Bhagya Tara Complex, Mandi Area, Gausahala Bazar,
HOSHARPUR, Panaji, India-164001 Tel. : (0) 91-1892-227103
B.O. Surmery, British Columbia, Canada

Sister Concern (India): FD Exports & Trimurti Trading Co. Pvt. Ltd.

Call: Parashotam Kumar Gupta, Director Mob. : (Indi) +91-98140 66219, 62830 29419 (LJA) : +971-559 587 480	Nipun Gupta Mob. : +91-87270-91919
--	--

E: staff@trimurtioverseas.com | www.trimurtioverseas.com

सतीश कुमार एंड कम्पनी

कमिशन एजेंट



हमारे पास हैं चॉलर, स्मॉलवेव प्लॉट, डे विल न डेल विल, ड्राइ, सेल प्लॉट, बुकप्लॉट, सरकारी सी प्लॉट्स, नॉन-वेवप्लॉट, पुराने केम्प, सोरेंस प्लॉट, आवा कर्षी प्लॉट, प्लो विल प्लॉट्स कमीशन पर खरीदे व बेचे जाते हैं। पुराने बिल्डिंग, केम्प, सेल आदि तुम्हारे (DEMOLISH) के विल सम्पर्क करें

मॉडिफ़ेड फ्लेटीड रोड, बारपासा मॉडिफ़ेड, कनगला (हरियाणा)

Email: satishkgargwal0462@gmail.com

सतीश कुमार अग्रवाल

92156-04462, 9215704462

CHAWAL WALA
Ph: 0291-2570609, 2570591
Cell.: 98291-94190 (Ravi), 98290-24609 (Rajender)
93513-21116 (Mohit), 93142-08383

BHIKAM DAS MOOLCHAND PARIHAR
RAMBAGASH BHIKAMDAS

7, Main Mandi, Mondore Road, JODHPUR-342007 (Raj)
Distributors For- **LALQILLA-INDIA GATE- (DOON)**
AARTI-NURJAHAN Basmati Rice

R Sons
BROUWERIJ
DE RIJN
Brewery

Delel Rattilal & Sons
ASSOCIATED
BROCKHAUSE GROUP
India - 121 220252

Head Office • P. 13, Nattaji Chamber, Bandra East, Changan, **Rajkot** - 360 001 (Gujarat) India
+91 281 220252 (Rajkot) +91 281 222027

Corporate Office • P. 208, Market Tied, Morbi Road, **Rajkot** - 360 003 (Gujarat) India
+91 281 279100 +91 281 279022 +91 281 279023

Branch Office (Gujarat Division) • P. 14, Begunpur, Sanku, Dethi Gate, Ring Road, **Surat** - 390 002 (Gujarat) India
+91 281 279100 +91 281 279022 +91 281 279023

Branch Office (Maharashtra Division) • P. 62, Ground Floor, Raj Palace, Chhatrapati, **Mumbai** - 400 002 (Maharashtra) India
+91 771 279227 +91 771 279022 +91 771 279023 +91 8200 2801 +91 8200 2802 +91 8200 2803

Sanjay Someshwar • +91 98422 20606 +91 95741 00901 • sanjaysomeshwar21@gmail.com
Sansang Someshwar • +91 99247 11200 • nmsomang@gmail.com

R Sons Team

Vipul Vaghela +91 94282 33978 **Hitesh Patel** +91 98241 40905 **Jayraj Gadwhi** +91 75674 55490
Dhaval Bahukhaya +91 98258 94943 **Kanaiya Dube** +91 99252 41122

We Oats In

Rice Grains Pulses Spices Oil Seeds Sugar
Desserts Fruit Wheat Protein Amino Acid Vitamins

Choose us and you will receive it for your best business decision!

RICE Basmati Specialist
DADHICH & CO.
Canvassing Agents For :-
*RICE- *WHEAT- *GRAIN
117, Mahalakshmi Market, 1st Floor, E-40, Market Yard, Gultekdi, PUNE-411037
Ph.: 020-24271907, 24017276 Fax: 24017277
Mob.: 9422321341, 9423321242

Leading Canvassing Agent in **AHMEDABAD**
for Rice, Wheat, Bajra, Jawar, Pulses etc.

DALAL ARUNKUMAR VISHNUPRASAD

25/2, Kabutarkhana, Kalupur, AHMEDABAD-380 002. (GUJ.)
PHONE : (O) 22169585 / 22169828 (R) 27417877
MOBILE : 9327064099 / 9824410544 Arun Vyas

सोयामील निर्यात घटकर 1.76 लाख टन पर

सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के मुताबिक, देश का सोयामील (डीओसी) निर्यात जनवरी में सालाना आधार पर 65 प्रतिशत घटकर 1.76 लाख टन रहा। मुख्य रूप से सोयाबीन और



रैपसीड मील के निर्यात में गिरावट से डीओसी की बाहर भेजी जाने वाली छेप में कमी आई है। जनवरी, 2021 में भारत का सोयामील निर्यात 5.01 लाख टन रहा था। चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह अप्रैल-जनवरी के दौरान सोयामील निर्यात 35 प्रतिशत घटकर 19.43 लाख टन रह गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 29.69 लाख टन रहा था।

सोयामील का इस्तेमाल पौल्ट्री और अन्य क्षेत्रों में पशुचारे के रूप में होता है। एसईए द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी में सोयाबीन एक्सट्रैक्शन का निर्यात भारी गिरावट के साथ 52,771 टन रह गया, जो एक साल पहले समान महीने में 2.83 लाख टन रहा था। इसी तरह जनवरी में रैपसीड एक्सट्रैक्शन का निर्यात घटकर 16,164 टन पर आ गया, जो एक साल पहले समान महीने में 74,240 टन था।

धान खरीद का लाभ पाने वाले किसानों की संख्या में 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, 2015-16 और 2020-21 के बीच धान से लाभान्वित होने वाले किसानों की संख्या खरीद में लगभग 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि गेहूँ की खरीद से लाभान्वित होने वालों में लगभग 140.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बीते 6 साल में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीद का लाभ पाने वाले किसानों की संख्या में 80 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

आर गेहूँ की बात करें तो इसमें 140 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। ये आंकड़े वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण में किए गए वादों के बाद सामने आए हैं। सीतारमण ने कहा था कि 2021-22 रबी और खरीफ मार्केटिंग सीजन में गेहूँ और धान की खरीद कुल 121 मिलियन (12 करोड़ 11 लाख) टन की उम्मीद है, जिससे लगभग 1.63 करोड़ किसानों को लाभ होगा। उन्होंने कहा था कि इस खरीद के माध्यम से लगभग 2.37 ट्रिलियन रुपए का एम्पसमी मूल्य सीधे किसानों के बैंक खातों में स्थानांतरित किया जाएगा। वित्त मंत्री के दावों के बाद



ऐसी चर्चा हुई कि पिछले कुछ वर्षों में खरीद की सीमा में कटौती हुई है और साथ ही लाभान्वित होने वाले किसानों की संख्या में भी कमी आई है। लेकिन भारतीय खाद्य निगम के आंकड़ों के मुताबिक, 2015-16 और 2020-21 के बीच धान से लाभान्वित होने वाले किसानों की संख्या खरीद में लगभग 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि गेहूँ की खरीद से लाभान्वित होने वालों में लगभग 140.37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

कृषि लागत और मूल्य आयोग की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि 2019-20 के रबी सीजन में लगभग 436,858 तिलहन किसानों को खरीद कार्यों से लाभ हुआ। वहीं 2020-21

के रबी सीजन में 1.1 करोड़ से अधिक किसानों को फायदा हुआ। हालांकि दलहन के मामले में दो सत्रों के बीच लाभार्थियों की संख्या में मामूली गिरावट आई। एफसीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 2015-16 और 2020-21 के बीच प्रमुख धान उत्पादक राज्यों में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, यूपी और यहां तक घट्टि पश्चिम बंगाल में सरकारी खरीद से लाभ पाने वाले किसानों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है, लेकिन लंबे समय से भारत का अनाज का कटोरा हमने जाने वाले पंजाब में इसमें 12.3 प्रतिशत की गिरावट आई है।

इसी तरह गेहूँ के मामले में भी 2015-16 के बाद से

मध्य प्रदेश, यूपी और राजस्थान में राज्य खरीद से लाभान्वित होने वाले किसानों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है, लेकिन पंजाब में वृद्धि केवल 5 प्रतिशत है।

खाद्य भंडारण में बढ़ोतरी

पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों से ही सबसे अधिक खरीद होती है। रबी मार्केटिंग सीजन 2019-20 के आंकड़ों से पता चलता है कि पंजाब में उत्पादन का लगभग 73 प्रतिशत और हरियाणा में 80 प्रतिशत की खरीद हुई है। आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, इस तरह की खरीद नीति के कारण खाद्य भंडारण बढ़ गया है और फसल विविधीकरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

हरियाणा के किसानों को 561.11 करोड़ रुपये का मुआवजा जारी

हरियाणा सरकार ने खरीफ सीजन-2021 के दौरान राज्य में भारी बारिश, जलभराव तथा कीट हमलों से हुए फसलों के नुकसान की एवज में किसानों को 561.11 करोड़ रुपये की मुआवजा राशि जारी की है। यह रकम सीधे किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर करने की शुरुआत की जा चुकी है। यह रकम 886 गांवों के 8,95,712 किसानों को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से जल्द से जल्द किसानों के बैंक खातों में मुआवजा राशि का भुगतान सुनिश्चित करने के अलावा किसान हित में कोई भी कदम उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। उन्होंने ने कहा कि वे दिन गए जब किसान मुआवजा पाने के लिए सालों इंतजार

रबी-2022 के दौरान फसलों को हुए नुकसान के आकलन के लिए वर्तमान में चल रही गिरदावरी को भी जल्द पूरा करने के निर्देश दिए ताकि किसानों को मुआवजा राशि समय पर मिल सके। यानी इस साल भी फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकार ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। ताकि किसानों को उनकी लागत का कुछ हिस्सा मुआवजे के रूप में मिल जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, हमारी सरकार किसान हितेषी है। किसानों को समय पर मुआवजा देने के अलावा किसान हित में कोई भी कदम उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। उन्होंने ने कहा कि वे दिन गए जब किसान मुआवजा पाने के लिए सालों इंतजार

करते थे, अब पूरी व्यवस्था डिजिटल हो गई है। किसान भी विश्वास करने लगे हैं कि उन्हें कम समय में मुआवजा मिलेगा। उन्होंने ने कहा कि, हमारी सरकार पिछले 7 साल से निरंतर किसानों के हितों में कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। फसल बीमा योजना के अलावा किसानों को जोखिम फ्री बनाने के लिए भावांतर भरपाई योजना से लेकर मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना तक चलाकर राज्य सरकार ने सदैव किसान भाईयों को यही संदेश दिया है कि सरकार उनके साथ खड़ी है।

अधिक तौर पर किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आने दी जाएगी।

गेहूँ का उत्पादन 11.13 करोड़ टन का अनुमान



कृषि मंत्रालय के मुताबिक, देश का गेहूँ उत्पादन फसल वर्ष 2021-22 (जुलाई-जून) में रिकॉर्ड 11.13 करोड़ टन रहने का अनुमान है। रबी

कि इस साल कुल खाद्यान्न उत्पादन भी रिकॉर्ड 31.60 करोड़ टन पर पहुंच जाने का अनुमान है, जो पिछले फसल वर्ष में 31.07 करोड़ टन रहा था।

कृषि मंत्रालय अंतिम आंकड़ों से पहले चार बार फसल उत्पादन के अनुमान जारी करता है। दूसरे अंतिम अनुमान के मुताबिक, देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31.60 मिलियन टन अनुमानित है, जो वर्ष 2020-21 के दौरान प्राप्त

उत्पादन की तुलना में 5.32 मिलियन टन अधिक है। वर्ष 2021-22 के दौरान उत्पादन विगत पांच वर्षों (2016-17 से 2020-21) के औसत खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में 25.35 मिलियन टन अधिक है। 2021-22 के दौरान चावल का कुल उत्पादन 127.93 मिलियन टन रिकॉर्ड अनुमानित है। यह विगत पांच वर्षों के 116.44 मिलियन टन औसत उत्पादन की तुलना में 11.49 मिलियन टन अधिक है।

Food India Expo 2022
way to accelerate your success beyond all

India's 4th Largest International Exclusive Exhibition cum Conference

15-16-17 JULY 2022

PSA MCA GROUP, India Agriculture Research Institute, Pusa Campus, Delhi-110017, India

India's 4th Largest International Exclusive Exhibition cum Conference

INDO for Packed & Branded Foods

Rice/Pulses/Besan/Fortified Rice Wheat & Wheat Products Edible Oil, Vanaspathi/Ghee Spices, Herbs, Kirana, Dry Fruits, Sugar, Tea, Coffee, Dairy, Bakery, Ready-to-eat, F&B Products, Dehydrated & Frozen Food Products Organic Food & Allied Food Industries

FOOD TECH for Processing Machinery & Tech.

Rice, Pulses, Wheat, Flour, Spices, Sugar & Allied Food Processing Machinery Paddy/Grain Dryer & Parboiling Plant Color Sorter, Air Compressors, Grain Storage, Material Handling, Packaging Solutions Dairy Equipments Poultry/Cattle Feed Technology Waste Water Treatment

BUILD YOUR BRAND DISTRIBUTOR DEALER NETWORK

Organized by: **VYAPAR EXPRESS**
Contact for Stall Booking: 9753 2525, 24 Area: 9997 7614, 9997 7615, 9997 7616, 9997 7617, 9997 7618, 9997 7619, 9997 7620, 9997 7621, 9997 7622, 9997 7623, 9997 7624, 9997 7625, 9997 7626, 9997 7627, 9997 7628, 9997 7629, 9997 7630, 9997 7631, 9997 7632, 9997 7633, 9997 7634, 9997 7635, 9997 7636, 9997 7637, 9997 7638, 9997 7639, 9997 7640, 9997 7641, 9997 7642, 9997 7643, 9997 7644, 9997 7645, 9997 7646, 9997 7647, 9997 7648, 9997 7649, 9997 7650, 9997 7651, 9997 7652, 9997 7653, 9997 7654, 9997 7655, 9997 7656, 9997 7657, 9997 7658, 9997 7659, 9997 7660, 9997 7661, 9997 7662, 9997 7663, 9997 7664, 9997 7665, 9997 7666, 9997 7667, 9997 7668, 9997 7669, 9997 7670, 9997 7671, 9997 7672, 9997 7673, 9997 7674, 9997 7675, 9997 7676, 9997 7677, 9997 7678, 9997 7679, 9997 7680, 9997 7681, 9997 7682, 9997 7683, 9997 7684, 9997 7685, 9997 7686, 9997 7687, 9997 7688, 9997 7689, 9997 7690, 9997 7691, 9997 7692, 9997 7693, 9997 7694, 9997 7695, 9997 7696, 9997 7697, 9997 7698, 9997 7699, 9997 7700, 9997 7701, 9997 7702, 9997 7703, 9997 7704, 9997 7705, 9997 7706, 9997 7707, 9997 7708, 9997 7709, 9997 7710, 9997 7711, 9997 7712, 9997 7713, 9997 7714, 9997 7715, 9997 7716, 9997 7717, 9997 7718, 9997 7719, 9997 7720, 9997 7721, 9997 7722, 9997 7723, 9997 7724, 9997 7725, 9997 7726, 9997 7727, 9997 7728, 9997 7729, 9997 7730, 9997 7731, 9997 7732, 9997 7733, 9997 7734, 9997 7735, 9997 7736, 9997 7737, 9997 7738, 9997 7739, 9997 7740, 9997 7741, 9997 7742, 9997 7743, 9997 7744, 9997 7745, 9997 7746, 9997 7747, 9997 7748, 9997 7749, 9997 7750, 9997 7751, 9997 7752, 9997 7753, 9997 7754, 9997 7755, 9997 7756, 9997 7757, 9997 7758, 9997 7759, 9997 7760, 9997 7761, 9997 7762, 9997 7763, 9997 7764, 9997 7765, 9997 7766, 9997 7767, 9997 7768, 9997 7769, 9997 7770, 9997 7771, 9997 7772, 9997 7773, 9997 7774, 9997 7775, 9997 7776, 9997 7777, 9997 7778, 9997 7779, 9997 7780, 9997 7781, 9997 7782, 9997 7783, 9997 7784, 9997 7785, 9997 7786, 9997 7787, 9997 7788, 9997 7789, 9997 7790, 9997 7791, 9997 7792, 9997 7793, 9997 7794, 9997 7795, 9997 7796, 9997 7797, 9997 7798, 9997 7799, 9997 7800, 9997 7801, 9997 7802, 9997 7803, 9997 7804, 9997 7805, 9997 7806, 9997 7807, 9997 7808, 9997 7809, 9997 7810, 9997 7811, 9997 7812, 9997 7813, 9997 7814, 9997 7815, 9997 7816, 9997 7817, 9997 7818, 9997 7819, 9997 7820, 9997 7821, 9997 7822, 9997 7823, 9997 7824, 9997 7825, 9997 7826, 9997 7827, 9997 7828, 9997 7829, 9997 7830, 9997 7831, 9997 7832, 9997 7833, 9997 7834, 9997 7835, 9997 7836, 9997 7837, 9997 7838, 9997 7839, 9997 7840, 9997 7841, 9997 7842, 9997 7843, 9997 7844, 9997 7845, 9997 7846, 9997 7847, 9997 7848, 9997 7849, 9997 7850, 9997 7851, 9997 7852, 9997 7853, 9997 7854, 9997 7855, 9997 7856, 9997 7857, 9997 7858, 9997 7859, 9997 7860, 9997 7861, 9997 7862, 9997 7863, 9997 7864, 9997 7865, 9997 7866, 9997 7867, 9997 7868, 9997 7869, 9997 7870, 9997 7871, 9997 7872, 9997 7873, 9997 7874, 9997 7875, 9997 7876, 9997 7877, 9997 7878, 9997 7879, 9997 7880, 9997 7881, 9997 7882, 9997 7883, 9997 7884, 9997 7885, 9997 7886, 9997 7887, 9997 7888, 9997 7889, 9997 7890, 9997 7891, 9997 7892, 9997 7893, 9997 7894, 9997 7895, 9997 7896, 9997 7897, 9997 7898, 9997 7899, 9997 7900, 9997 7901, 9997 7902, 9997 7903, 9997 7904, 9997 7905, 9997 7906, 9997 7907, 9997 7908, 9997 7909, 9997 7910, 9997 7911, 9997 7912, 9997 7913, 9997 7914, 9997 7915, 9997 7916, 9997 7917, 9997 7918, 9997 7919, 9997 7920, 9997 7921, 9997 7922, 9997 7923, 9997 7924, 9997 7925, 9997 7926, 9997 7927, 9997 7928, 9997 7929, 9997 7930, 9997 7931, 9997 7932, 9997 7933, 9997 7934, 9997 7935, 9997 7936, 9997 7937, 9997 7938, 9997 7939, 9997 7940, 9997 7941, 9997 7942, 9997 7943, 9997 7944, 9997 7945, 9997 7946, 9997 7947, 9997 7948, 9997 7949, 9997 7950, 9997 7951, 9997 7952, 9997 7953, 9997 7954, 9997 7955, 9997 7956, 9997 7957, 9997 7958, 9997 7959, 9997 7960, 9997 7961, 9997 7962, 9997 7963, 9997 7964, 9997 7965, 9997 7966, 9997 7967, 9997 7968, 9997 7969, 9997 7970, 9997 7971, 9997 7972, 9997 7973, 9997 7974, 9997 7975, 9997 7976, 9997 7977, 9997 7978, 9997 7979, 9997 7980, 9997 7981, 9997 7982, 9997 7983, 9997 7984, 9997 7985, 9997 7986, 9997 7987, 9997 7988, 9997 7989, 9997 7990, 9997 7991, 9997 7992, 9997 7993, 9997 7994, 9997 7995, 9997 7996, 9997 7997, 9997 7998, 9997 7999, 9997 8000, 9997 8001, 9997 8002, 9997 8003, 9997 8004, 9997 8005, 9997 8006, 9997 8007, 9997 8008, 9997 8009, 9997 8010, 9997 8011, 9997 8012, 9997 8013, 9997 8014, 9997 8015, 9997 8016, 9997 8017, 9997 8018, 9997 8019, 9997 8020, 9997 8021, 9997 8022, 9997 8023, 9997 8024, 9997 8025, 9997 8026, 9997 8027, 9997 8028, 9997 8029, 9997 8030, 9997 8031, 9997 8032, 9997 8033, 9997 8034, 9997 8035, 9997 8036, 9997 8037, 9997 8038, 9997 8039, 9997 8040, 9997 8041, 9997 8042, 9997 8043, 9997 8044, 9997 8045, 9997 8046, 9997 8047, 9997 8048, 9997 8049, 9997 8050, 9997 8051, 9997 8052, 9997 8053, 9997 8054, 9997 8055, 9997 8056, 9997 8057, 9997 8058, 9997 8059, 9997 8060, 9997 8061, 9997 8062, 9997 8063, 9997 8064, 9997 8065, 9997 8066, 9997 8067, 9997 8068, 9997 8069, 9997 8070, 9997 8071, 9997 8072, 9997 8073, 9997 8074, 9997 8075, 9997 8076, 9997 8077, 9997 8078, 9997 8079, 9997 8080, 9997 8081, 9997 8082, 9997 8083, 9997 8084, 9997 8085, 9997 8086, 9997 8087, 9997 8088, 9997 8089, 9997 8090, 9997 8091, 9997 8092, 9997 8093, 9997 8094, 9997 8095, 9997 8096, 9997 8097, 9997 8098, 9997 8099, 9997 8100, 9997 8101, 9997 8102, 9997 8103, 9997 8104, 9997 8105, 9997 8106, 9997 8107, 9997 8108, 9997 8109, 9997 8110, 9997 8111, 9997 8112, 9997 8113, 9997 8114, 9997 8115, 9997 8116, 9997 8117, 9997 8118, 9997 8119, 9997 8120, 9997 8121, 9997 8122, 9997 8123, 9997 8124, 9997 8125, 9997 8126, 9997 8127, 9997 8128, 9997 8129, 9997 8130, 9997 8131, 9997 8132, 9997 8133, 9997 8134, 9997 8135, 9997 8136, 9997 8137, 9997 8138, 9997 8139, 9997 8140, 9997 8141, 9997 8142, 9997 8143, 9997 8144, 9997 8145, 9997 8146, 9997 8147, 9997 8148, 9997 8149, 9997 8150, 9997 8151, 9997 8152, 9997 8153, 9997 8154, 9997 8155, 9997 8156, 9997 8157, 9997 8158, 9997 8159, 9997 8160, 9997 8161, 9997 8162, 9997 8163, 9997 8164, 9997 8165, 9997 8166, 9997 8167, 9997 8168, 9997 8169, 9997 8170, 9997 8171, 9997 8172, 9997 8173, 9997 8174, 9997 8175, 9997 8176, 9997 8177, 9997 8178, 9997 8179, 9997 8180, 9997 8181, 9997 8182, 9997 8183, 9997 8184, 9997 8185, 9997 8186, 9997 8187, 9997 8188, 9997 8189, 9997 8190, 9997 8191, 9997 8192, 9997 8193, 9997 8194, 9997 8195, 9997 8196, 9997 8197, 9997 8198, 9997 8199, 9997 8200, 9997 8201, 9997 8202, 9997 8203, 9997 8204, 9997 8205, 9997 8206, 9997 8207, 9997 8208, 9997 8209, 9997 8210, 9997 8211, 9997 8212, 9997 8213, 9997 8214, 9997 8215, 9997 8216, 9997 8217, 9997 8218, 9997 8219, 9997 8220, 9997 8221, 9997 8222, 9997 8223, 9997 8224, 9997 8225, 9997 8226, 9997 8227, 9997 8228, 9997 8229, 9997 8230, 9997 8231, 9997 8232, 9997 8233, 9997 8234, 9997 8235, 9997 8236, 9997 8237, 9997 8238, 9997 8239, 9997 8240, 9997 8241, 9997 8242, 9997 8243, 9997 8244, 9997 8245, 9997 8246, 9997 8247, 9997 8248, 9997 8249, 9997 8250, 9997 8251, 9997 8252, 9997 8253, 9997 8254, 9997 8255, 9997 8256, 9997 8257, 9997 8258, 9997 8259, 9997 8260, 9997 8261, 9997 8262, 9997 8263, 9997 8264, 9997 8265, 9997 8266, 9997 8267, 9997 8268, 9997 8269, 9997 8270, 9997 8271, 9997 8272, 9997 8273, 9997 8274, 9997 8275, 9997 8276, 9997 8277, 9997 8278, 9997 8279, 9997 8280, 9997 8281, 9997 8282, 9997 8283, 9997 8284, 9997 8285, 9997 8286, 9997 8287, 9997 8288, 9997 8289, 9997 8290, 9997 8291, 9997 8292, 9997 8293, 9997 8294, 9997 8295, 9997 8296, 9997 8297, 9997 8298, 9997 8299, 9997 8300, 9997 8301, 9997 8302, 9997 8303, 9997 8304, 9997 8305, 9997 8306, 9997 8307, 9997 8308, 9997 8309, 9997 8310, 9997 8311, 9997 8312, 9997 8313, 9997 8314, 9997 8315, 9997 8316, 9997 8317, 9997 8318, 9997 8319, 9997 8320, 9997 8321, 9997 8322, 9997 8323, 9997 8324, 9997 8325, 9997 8326, 9997 8327, 9997 8328, 9997 8329, 9997 8330, 9997 8331, 9997 8332, 9997 8333, 9997 8334, 9997 8335, 9997 8336, 9997 8337, 9997 8338, 9997 8339, 9997 8340, 9997 8341, 9997 8342, 9997 8343, 9997 8344, 9997 8345, 9997 8346, 9997 8347, 9997 8348, 9997 8349, 9997 8350, 9997 8351, 9997 8352, 9997 8353, 9997 8354, 9997 8355, 9997 8356, 9997 8357, 9997 8358, 9997